

कक्षा- अष्टम

विषय-संस्कृतम्

पाठ्यपुस्तक- रुचिरा (तृतीय भागः)

पाठः - नवमः , सप्तभगिन्यः

प्रस्तुतकर्ता

नाम- बी. एल. मीना

स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक

प० ऊ० के वि० - 4

रावतभाटा

सप्तभगिन्यः (पाठ सारांश)

(सात बहनें)

' सप्तभगिन्य ' यह एक उपनाम है | उत्तरपूर्व के सात राज्य विशेष को यह उपाधि दी गई है | इन राज्यों के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विलक्षणता को ध्यान में रखकर इस पाठ की रचना की गई है | पाठ का सार इस प्रकार है -

हमारे देश में उनतीस राज्य तथा सात केंद्रशासित प्रदेश हैं | इन राज्यों में सात राज्यों का एक समूह है | इन्हें 'सात बहनें ' नाम से जाना जाता है |

अरुणाचल, असम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा - इन सात राज्यों का समूह ' सात बहनें 'के नाम से प्रसिद्ध है | ये सात बहनें प्राचीन इतिहास में प्रायः स्वाधीन ही दृष्टिगोचर होती हैं | किसी भी शासक ने इन्हें अपने अधीन नहीं किया है | अनेक सांस्कृतियों से विशिष्ट भारत- भूमि में इन बहनों की संस्कृति महत्वपूर्ण है |

पर्वतों, वृक्षों तथा पुष्पों के द्वारा इन राज्यों की प्राकृतिक संपदा अत्यधिक समृद्धि और गौरव को बढ़ाती है | वस्तुतः ये सात राज्य सबसे श्रेष्ठ हैं |

शब्दार्थ

बाढम्- बहु तअच्छा | जातुम्- जानने के लिए

कति - कितने | अतिरिच्य - अतिरिक्त

समवायः - समूह | प्रथितः - प्रसिद्ध

साम्याद् - समानता के कारण | लघूनि- छोटे

प्रभृतिभिः - आदि से | विहितम् -विधिपूर्वक किया गया

पुष्पस्तबकसदृशानि - पुष्प के गुच्छे के समान |

हृद्या - प्रिय (हृदय को प्रिय लगने वाली) मनोरम |

सावहितमनसा - सावधान मन से |

ऊर्जास्विनः - ऊर्जा युक्त | समीचीनः - बहु तअच्छा

अवाप्तः - प्राप्त |

बहवाकर्षकः (बहु + आकर्षकः) - अत्यंत आकर्षक |

हिंदी अर्थ

अध्यापिका - सुप्रभात ।

छात्राएँ - सुप्रभात, सुप्रभात ।

अध्यापिका - अच्छा आज क्या पढना है ?

छात्राएँ - हम सभी अपने देश के राज्यों के विषय में जानना चाहते हैं ।

अध्यापिका - सुन्दर । बोलो । हमारे देश में कितने राज्य हैं?

सायरा - महोदया, चौबीस ।

सिल्वी - नहीं , नहीं । महाभागा ! पच्चीस राज्य हैं ।

अध्यापिका - कोई अन्य भी ----- ।

स्वरा - (बीच में ही) महोदया, मेरी बहन कहती है कि हमारे देश में उनतीस राज्य हैं । इसके अलावा सात केंद्रशासित प्रदेश भी हैं ।

अध्यापिका - तुम्हारी बहन अच्छी प्रकार जानती है । ठीक है, क्या तुम जानते हो कि इन राज्यों में सात राज्यों का एक समूह है, जो ' सात बहनें ' इस नाम से प्रसिद्ध है ।

सभी - (आश्चर्य से एक- दूसरे को देखते हुए) सात बहनें? सात बहनें ?

निकोलस - ये राज्य ' सात बहनें ' इस नाम से किस प्रकार
कहे जाते हैं ?

अध्यापिका - यह प्रयोग सांकेतिक है | संभवतः सामाजिक
और सांस्कृतिक वातावरण की समानता के
कारण ये उपाधि (विशेषण) के द्वारा प्रसिद्ध
हो गए हों |

समीक्षा - मेरी जिज्ञासा शांत नहीं हो रही है | सुनाइए,
वे कौन- से राज्य हैं ?

अध्यापिका - सुनो !

'भगिनी सप्तक ' में ये राज्य हैं - अरुणाचल
प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय,
नागालैंड और त्रिपुरा | हालांकि क्षेत्रफल की
दृष्टि से ये राज्य छोटे हैं, फिर भी गुण और
गौरव की दृष्टि से बड़े प्रतीत होते हैं |

सभी - कैसे? कैसे ?

अध्यापिका - ये सात बहनें अपने प्राचीन इतिहास में प्रायः
स्वाधीन ही दृष्टिगोचर होती हैं | किसी भी
शासक ने इन्हें अपने अधीन नहीं किया |
अनेक संस्कृतियों से विशिष्ट भारत भूमि में
इन बहनों की संस्कृति महत्वपूर्ण है |

तन्वी - सबसे पहले इस शब्द का प्रयोग कब हुआ ?

अध्यापिका - सुनने में अच्छा लगने वाला यह शब्द गत

शताब्दी के बहत्तरवें साल में (1972)

त्रिपुरा राज्य के उद्घाटन क्रम में किसी के द्वारा

प्रयोग किया गया | इस समय ही इन राज्यों का

पुनः गठन किया गया |

स्वरा- इनकी दूसरी भी कोई विशेषता है |

अध्यापिका- अवश्य ही है | पर्वत, वृक्ष तथा पुष्प आदि

प्राकृतिक संपदाओं के द्वारा ये राज्य समृद्ध हैं |

भारत रूपि वृक्ष पर ये राज्य फूलों के गुच्छों के

समान विराजमान हैं |

राजीव - आप ! जिस तरह घर में बहन सबसे अधिक

और सुंदर होती है, उसी तरह भारत रूपी घर में

ये सात बहनें सबसे अधिक सुंदर हैं |

अध्यापिका - तुम्हारे मन में आई हुई यह भावना परम

कल्याणकारी है, परंतु सभी ऐसा नहीं सोचते हैं |

ठीक है, इनके विषय में कुछ विशेषता भी कहनी

चाहिए | ध्यान से सुनो --

यह जनजाति बहु ल प्रदेश है | गारो, खासी, नगा तथा

मिजोरम आदि अनेक जनजातियाँ यहाँ निवास करती हैं। शरीर से ऊर्जा से भरे हुए इन प्रदेशों के निवासी अनेक भाषाओं से युक्त त्योहारों की परंपराओं से पूर्ण अपनी क्रियाओं और कलाओं में प्रवीण होते हैं।

मालती - महोदया ! वहाँ तो बांस के वृक्ष भी प्राप्त होते हैं।

अध्यापिका- हां। इस प्रदेश में हस्तशिल्पों की अधिकता है।

वस्त्र व आभूषणों से लेकर घरों के निर्माण तक प्रायः बांस के वृक्षों से निर्मित वस्तुओं का उपयोग किया जाता है, क्योंकि यहाँ बांस के वृक्षों की अधिकता है। अब यह बांसों का उद्योग अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि को प्राप्त हो गया है।

अभिनव -यह भगिनी प्रदेश अत्यधिक आकर्षक ज्ञात होता है।

सलीम- क्या घूमने के लिए यह प्रदेश उचित है ?

सभी छात्र- (जोर से) महोदया! आने वाले अवकाश में हम वहीं जाना चाहते हैं।

स्वरा - आप भी हमारे साथ चलें।

अध्यापिका- मुझे यह विचार अच्छा लगता है। ये राज्य भ्रमण के लिए स्वर्ग के समान हैं।